SYLLABUS FOR 2014-15

CODE 144 & 145

एम. ए. (छत्तीसगढ़ी) : पहला सेमेस्टर

पहला प्रस्न–पत्र

छत्तीसगढ़ी के भौगोलिक अउ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

1. छत्तीसगढ़ी के भौगोलिक संरचना, नामकरन, छत्तीसगढ़ी के उत्पत्ति अउ ओखर बोली
2. छत्तीसगढ़ी के विकास, म अन्य भासा/बोली के प्रभाव
3. छत्तीसगढ़ म उपलब्ध भासा–परिवार
4. छत्तीसगढ़ी के अन्य भासा मन से संबंध
5. छत्तीसगढ़ी म अन्य भासा के आगत–सब्द

निर्धारित पुस्तक सूची :

1. व्यास नारायण दुबे : छत्तीसगढ़ी जनभाषा
2. कांति कुमार : छत्तीसगढ़ी बोली व्याकरण और कोष
3. भालचंद्र राव तैलंग : छत्तीसगढ़ी, हलबी और भतरी बोलियों का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन
4. नरेन्द्र देव वर्मा : छत्तीसगढ़ी का उद्विकास
5. बलदेव प्रसाद मिश्र : छत्तीसगढ़ परिचय
6. शंकर शेष : छत्तीसगढ़ी का भाषाशास्त्री अध्ययन
7. बिहारी लाल साहू : छत्तीसगढ़ी लोक–साहित्य और भाषा
8. प्यारे लाल गुप्त : प्राचीन छत्तीसगढ़

दूसरा प्रस्न पत्र

छत्तीसगढ़ी के ध्वनि–संरचना

1. छत्तीसगढ़ी ध्वनियाँ–स्वर, व्यंजन, संध्यक्षर, स्वर–संयोग, संयुक्त व्यंजन
2. छत्तीसगढ़ी स्वरों के वर्गीकरण
3. छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के वर्गीकरण
4. छत्तीसगढ़ी वर्णमाला, अक्षर के परिभासा अउ प्रकार
5. छत्तीसगढ़ी के ध्वनिगुण–मात्रा, बलाधात, अनुतान

निर्धारित पुस्तक सूची :

1. गोलोक बिहारी धल : ध्वनि–विज्ञान
2. भालचंद्र राव तैलंग : छत्तीसगढ़ी का हलबी, भतरी का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन
3. शंकर शेष : छत्तीसगढ़ी का भाषाशास्त्री अध्ययन
4. हीरालाल काव्योपाध्याय : ए ग्रामर आफ छत्तीसगढ़ी डायलेक्ट
5. चंद्रकुमार चंद्राकर : छत्तीसगढ़ी शब्द–कोश
6. पालेश्वर शर्मा : छत्तीसगढ़ी शब्द–कोश
7. रमेशचंद्र महरोत्रा एवं अन्य : छत्तीसगढ़ी शब्द–कोश
8. सत्यभामा आडिल : छत्तीसगढ़ी का व्यवहारिक शब्द–कोश

तीसरा प्रस्न–पत्र

छत्तीसगढ़ी के ब्याकरण

1. छत्तीसगढ़ी के सब्द–भेद – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रियाविशेषण, अव्यय

2. ब्याकरनिक के कोटियाँ– लिंग, वचन, पुरूष, कारक काल, वाच्य अउ वृति

3. कारक – कर्त्ता, कर्म, करण, आदि

4. वाक्य–संरचना – निर्माण अउ सिद्धान्त

5. वाक्य–रचना की असुद्धियाँ – वर्तनी संबंधी, शब्द–संबंधी, व्याकरन–संबंधी आदि

निर्धारित पुस्तक सूची :–

1. चंद्रकुमार चंद्राकर : मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण
2. रमेशचंद्र महरोत्रा एवं अन्य : मानक छत्तीसगढ़ी का सुलभ व्याकरण
3. मंगत रवीन्द्र : छत्तीसगढ़ी व्याकरण
4. कांति कुमार : छत्तीसगढ़ी बोली व्याकरण और कोश
5. नरेन्द्र देव वर्मा : छत्तीसगढ़ी का उद्‌विकास
6. चितरंजन कर एवं अन्य : छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक–कोटियाँ
7. हीरालाल काव्योपाध्याय : ए ग्रामर आफ छत्तीसगढ़ी डायलेक्ट
8. शंकर शेष : छत्तीसगढ़ी का भाषाशास्त्री अध्ययन

<u>चौथा प्रस्न पत्र</u>

<u>छत्तीसगढ़ी साहित्य के इतिहास</u>

1. आदि युग : गाथा युग–प्रेम प्रधान गाथाएँ, धार्मिक अउ पौराणिक गाथाएँ

2. मध्य युग (भक्ति काल) वीरगाथाएँ, धार्मिक अउ सामाजिक गीत

3. आधुनिक युग : पद्य साहित्यकार– सुंदर लाल शर्मा, हरि ठाकुर, दानेश्वर शर्मा, द्वारिका प्रसाद तिवारी, कोदूराम दलित, पवन दीवान, श्यामलाल चतुर्वेदी,

4. आधुनिक युग के गद्य साहित्यकार – मोंगरा (शिवशंकर), चंदा अमारित बरसाइत (लखन लाल गुप्त), कुल के मरजाद (केयूरभूषण)

   कहानी – केयूर भूषण(आँसू म फिले अचरा), परदेसी राम वर्मा(छपरा), सत्यभामाआडिल (सीख–सीख के गोठ)

5. नाटक/निबंध – खूबचंद बघेल (करमछड़हा), नंदकिशोर तिवारी (परेमा)
   निबंध – पालेश्वर शर्मा(गुड़ी के गोठ)

<u>निर्धारित पुस्तक सूची</u> :–

1. नरेन्द्र देव वर्मा : छत्तीसगढ़ी का उद्विकास
2. शंकुतला वर्मा : छत्तीसगढ़ी लोक–जीवन और लोक–साहित्य का अध्ययन
3. दयाशंकर शुक्ल : छत्तीसगढ़ी लोक–साहित्य का अध्ययन
4. प्यारेलाल गुप्त : प्राचीन छत्तीसगढ़
5. नंदकिशोर तिवारी : छत्तीसगढ़ी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन
6. बिहारी लाल साहू : छत्तीसगढ़ी साहित्य और भाषा
7. अनसुइया अग्रवाल : छत्तीसगढ़ी लोकोक्तियाँ और जन–जीवन
8. व्यास नारायण दुबे : छत्तीसगढ़ी जनभाषा
9. महावीर अग्रवाल (संपादक) : हमर छत्तीसगढ़
10. शत्रुहन लाल पाण्डेय : छत्तीसगढ़ी का गद्य–साहित्य

एम. ए. (छत्तीसगढ़ी) : दूसरा सेमेस्टर
पांचवा प्रस्न–पत्र

छत्तीसगढी के लोक साहित्य अउ संस्कृति

1. छत्तीसगढ़ी लोककला : उद्भव अउ विकास; लोककला अउ कलाकार (रामचंद्र देशमुख, महासिंह चंद्राकर, दुलार सिंह)

2. छत्तीसगढ़ के जनजातिय संस्कृति (सरहुल, करमा, मुड़िया नुत्य, माड़िया नृत्य, गोंडी, हल्बी, दोरला के संदर्भ म)

3. छत्तीसगढ़ के लोकनाट्य – गम्मत, रहस, नाचा के परिचय

4. लोककला (लोकगाथा) – पंडवानी, भरथरी(झाडूराम देवांगन, देवदास बंजारे, तीजनबाई, सूरजबाई खांडे आदि)

5. राउतनाचा, सुआ नृत्य, चंदैनी, ददरिया, पंथीनृत्य, करमा, लोकनृत्य के संक्षिप्त परिचय

निर्धारित पुस्तक सूची :–

1. बिहारी लाल साहू : छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य एवं भाषा
2. नंदकिशोर तिवारी : छत्तीसगढ़ी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन
3. शंकुतला वर्मा : छत्तीसगढ़ी लोक–जीवन और लोक–साहित्य का अध्ययन
4. दयाशंकर शुक्ल : छत्तीसगढ़ी लोक–साहित्य का अध्ययन
5. नरेन्द्र देव वर्मा : छत्तीसगढ़ी का उद्विकास
6. बलदेव प्रसाद मिश्र : छत्तीसगढ़ परिचय
7. प्यारे लाल गुप्त : प्राचीन छत्तीसगढ़
8. महावीर अग्रवाल (संपादक) : हमर छत्तीसगढ़

छठवाँ प्रस्न–पत्र

छत्तीसगढ़ी के सीमावर्ती भासा अउ बोली

1. छत्तीसगढ़ी अउ पूर्वी हिन्दी के बोली
2. छत्तीसगढ़ी के सीमावर्ती भासा अउ बोली
3. छत्तीसगढ़ी अउ उड़िया भासा
4. छत्तीसगढ़ी अउ मराठी भासा
5. पूर्वी हिंदी के परिचय अउ बिसेसता

निर्धारित पुस्तक सूची :

1. नरेन्द्र देव वर्मा : छत्तीसगढ़ी का उद्‌विकास
2. व्यास नारायण दुबे : छत्तीसगढ़ी जन भाषा
3. प्यारे लाल गुप्त : प्राचीन छत्तीसगढ़
4. बिहारी लाल साहू : छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य अउ भाषा
5. बलदेव प्रसाद मिश्र : छत्तीसगढ़ परिचय
6. भालचंद्र राव तैलंग : छत्तीसगढ़ी, हलबी, भतरी का भाषावैज्ञानिक अध्ययन
7. कांति कुमार : छत्तीसगढ़ी बोली, व्याकरण एवं कोश

सातवाँ प्रश्नपत्र

छत्तीसगढ़ी काव्य

1. आदिकालीन काव्य – राम और कृष्ण काव्य, वीर गाथा – अहिरन रानी, रेवा रानी फुलबास

2. मध्यकालीन काव्य – सुंदर लाल शर्मा – दानलीला
   मुकुटधर पांडे – मेघदूत

3. आधुनिक काव्य – प्यारेलाल गुप्त, हरि ठाकुर, नारायण लाल परमार नरेंद्र देव वर्मा

4. नवगीतकार एवं उनकी रचना – जीवन यदु, लक्ष्मण मस्तुरिया, पवन दीवान, लाला जगदलपुरी

5. द्रुत पाठ के कवि – निरूपमा शर्मा , दानेश्वर शर्मा, केयूर भूषण, रामेश्वर वैष्णव

निर्धारित पुस्तक सूची :

1. सुंदर लाल शर्मा : दानलीला
2. नरेन्द्र देव वर्मा : छत्तीसगढ़ी का उद्विकास
3. व्यास नारायण दुबे : छत्तीसगढ़ी जनभाषा
4. बलदेव प्रसाद मिश्र : छत्तीसगढ़ परिचय
5. महावीर अग्रवाल (संपादक) : हमर छत्तीसगढ़

आठवाँ प्रस्न–पत्र

कार्यालयीन छत्तीसगढ़ी

1. छत्तीसगढ़ी भासा – मौखिक अउ लिखित औपचारिक अउ अनौपचारिक छत्तीसगढ़ी; मानक छत्तीसगढ़ी
2. कार्यालयीन छत्तीसगढ़ी के प्रयोग–क्षेत्र, टिप्पन, प्रारूपन अउ संक्षेपन
3. छत्तीसगढ़ी के प्रसासनिक सब्दावली
4. विज्ञान अउ तकनीकी सब्दावली
5. छत्तीसगढ़ी भासा में कोड मिश्रण, संस्कृत अउ छत्तीसगढ़ी, अरबी–फारसी अउ छत्तीसगढ़ी, ॲंग्रेजी अउ छत्तीसगढ़ी, आदि।

<u>निर्धारित पुस्तक सूची :</u>

1. केशरी लाल वर्मा : कार्यालयीन हिंदी
2. नंदकिशोर तिवारी(संपादक) : लोकाक्षर (छत्तीसगढ़ी त्रैमासिक पत्रिका)
3. महावीर अग्रवाल (संपादक) : हमर छत्तीसगढ़
4. हीरालाल काव्योपाध्याय : ए ग्रामर ऑफ छत्तीसगढ़ी डायलेक्ट
5. कैलाश नाथ पाण्डेय : प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका
6. सुरेश माहेश्वरी : कार्यालयी हिन्दी एवं कार्यालयी अनुवाद तकनीक
7. कृष्ण कुमार गोस्वामी : प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी

एम. ए. (छत्तीसगढ़ी) : तीसरा सेमेस्टर
नउवाँ प्रस्न पत्र

छत्तीसगढ़ी के सब्द–संरचना

1. सब्द–संरचना – तत्सम, तद्भव, देसज अउ विदेसी सब्द
2. अर्थ–संरचना – अनेकार्थी, विलोमर्थी पर्यायवाची, अमिधा, लक्ष्मण व्यंजना, वाक्यांश के लिए एक सब्द अउ समूहवाची सब्द
3. रूप–संरचना : प्रत्यय अउ उपसर्ग
4. मुहावरे, लोकोक्तियाँ अउ पहेलियाँ; अर्थ अउ वाक्य–प्रयोग
5. विसेसण से संज्ञा बनाना, क्रिया से संज्ञा अउ विसेसण बनाना, संज्ञा से क्रिया विसेसण बनाना

निर्धारित पुस्तक सूची :–

1. बिहारी लाल साहू : छत्तीसगढ़ी पहेलिकाएँ और संस्कृति
2. मंगत रवीन्द्र : छत्तीसगढ़ी व्याकरण
3. वासुदेव नंदन प्रसाद : आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना
4. गणेश खरे : हिंदी स्वरूप और प्रयोग
5. रमेशचंद्र महरोत्रा एवं अन्य : छत्तीसगढ़ी लोकोक्तियाँ कोश
6. ऋषभ नारायण वर्मा : छत्तीसगढ़ी भाषा का अंग्रेजी अनुवाद
7. हरिठाकुर एवं अन्य : छत्तीसगढ़ी भाषा, मुहावरे, लोकोक्तियाँ एवं लोक गीत
8. व्यास नारायण दुबे : छत्तीसगढ़ी जनभाषा
9. राजेन्द्र सोनी एवं अन्य : आओ सीखें छत्तीसगढ़ी
10. रमेशचंद्र महरोत्रा एवं अन्य : छत्तीसगढ़ी मुहावरा कोश

दसवाँ प्रस्न–पत्र

छत्तीसगढ़ी के भासा–भूगोल

1. छत्तीसगढ़ी म विभिन्न भासामन के प्रयोग, अउ क्षेत्र, भासा प्रयोग म शैली–भेद अउ सांस्कृतिक–भेद।
2. छत्तीसगढ़ी भासा का सामाजिक संदर्भ – द्विभासिकता, पिजिन, क्रियोल, डिग्लोसिया (भासा द्वैत), कोड़ मिश्रण अउ कोड परिवर्तन।
3. छत्तीसगढ़ी म संबोधन अउ मैत्रिय संबंध
4. छत्तीसगढ़ी रिस्ते–नाते अउ रंगमन के सब्दावली
5. छत्तीसगढ़ी भासा के भेदक रूप के ब्यवहार अउ मानचित्र

निर्धारित पुस्तक सूची :–

1. कैलाश चंद्र भाटिया : भाषा–भूगोल
2. मुरारी लाल उप्रेती : भाषा–सर्वेक्षण
3. उदय नारायण तिवारी : भाषा–शास्त्र की रूपरेखा
4. व्यास नारायण दुबे : छत्तीसगढ़ी जनभाषा
5. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव : हिंदी का सामाजिक सन्दर्भ
6. महावीर शरण जैन : भाषा एवं भाषाविज्ञान
7. भोलानाथ तिवारी : भाषाविज्ञान
8. हीरालाल शुक्ल : शब्द–भूगोल
9. मधु धवन : भाषान्तरण कला : एक परिचय

ग्यारवाँ प्रस्न पत्र

प्रायोजन मूलक छत्तीसगढ़ी

1. भासा के विविध रूप – क्षेत्रीय छत्तीसगढ़ी, साहित्यिक छत्तीसगढ़ी, सामान्य छत्तीसगढ़ी, मानक छत्तीसगढ़ी, राजभासा छत्तीसगढ़ी

2. जनसंचार के भासा – समाचार–पत्र अउ पत्रिका के भासा, दृश्य–श्रव्य माध्यम के छत्तीसगढ़ी

3. छत्तीसगढ़ी म विज्ञापन, समाचार, छत्तीसगढ़ी के समाचार–पत्र एवं पत्र–पत्रिका

4. विभिन्न पारिभासिक सब्दावली, अनुवाद एवं निर्माण अउ विभिन्न विभागों की विशिष्ट पारिभासिक सब्दावली–रेल, बैंक, डाकविभाग, पुलिस, न्यायालय, मंत्रालय आदि।

5. पाठ्यक्रम म छत्तीसगढ़ी : स्वरूप निर्धारण

<u>निर्धारित पुस्तक सूची :</u>

1. भोलानाथ तिवारी : भाषा विज्ञान
2. सत्यभामा आडिल : छत्तीसगढ़ी का व्यावहारिक शब्दकोश
3. व्यास नारायण दुबे : छत्तीसगढ़ी जनभाषा
4. बिहारी लाल साहू : छत्तीसगढ़ी लोक भाषा और साहित्य
5. मंगल रवीन्द्र : छत्तीसगढ़ी व्याकरण
6. चंदकुमार चंद्राकर : मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण
7. रमेश चंद्र महरोत्रा एवं अन्य : मानक छत्तीसगढ़ी सुलभ व्याकरण
8. चितरंजन कर एवं अन्य : छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक कोटियाँ

बारवाँ प्रस्न–पत्र

राजभासा छत्तीसगढ़ी

1. राजभासा छत्तीसगढ़ी की अवधारणा
   संविधान में राजभासा अधिनियम

2. राजभासा का मानकीकरण
   ऐतिहासिक अउ, आधुनिकीकरण

3. वर्तनी–संबंधी मानकीकरण, शब्द–संबंधी मानकीकरण, अर्थ–संबंधी मानकीकरण, वाक्य–संबंधी मानकीकरण

4. कार्यालयीन/प्रशासनिक छत्तीसगढ़ी के प्रयुक्तियाँ
   वाणिज्य, ब्यापार, रेल, बैंक, विधि, विज्ञापन, यातायात, आदि।

5. सामाजिक स्तर–भेद के आधार पर छत्तीसगढ़ी–शिक्षा, प्रशासनिक, धर्म, समाज, आदि।

निर्धारित पुस्तक सूची :

1. सुधीर शर्मा : राजभाषा छत्तीसगढ़ी

2. व्यास नारायण दुबे : छत्तीसगढ़ी जनभाषा

3. विभाष कुमार झा एवं अन्य : छत्तीसगढ़ समग्र

4. हीरालाल शुक्ल : शब्द–भूगोल

5. हरिठाकुर एवं अन्य : छत्तीसगढ़ी भाषा, मुहावरे, लोकोक्तियाँ एवं लोक गीत

6. कैलाश नाथ पाण्डेय : प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका

7. सुरेश माहेश्वरी : कार्यालयी हिन्दी एवं कार्यालयी अनुवाद तकनीक

8. कृष्ण कुमार गोस्वामी : प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी

9. ओम्प्रकाश सिंहल : प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी

एम. ए. (छत्तीसगढ़ी) : चौथा सेमेस्टर
तेरहवाँ प्रस्न–पत्र

छत्तीसगढी के वाक्य संरचना

1. वाक्य–संरचना के आधार पर – सरल, मिश्र और संयुक्त वाक्य
2. छत्तीसगढ़ी के वाक्य अउ उपवाक्य – संज्ञा उपवाक्य, विसेसण उपवाक्य, क्रिया उपवाक्य, क्रिया विसेसण उपवाक्य
3. पदबंध–संरचना अउ पदक्रम – संज्ञा–पदबंध, सर्वनाम–पदबंध, विसेसण–पदबंध, क्रिया–पदबंध, क्रिया विसेसण–पदबंध
4. छत्तीसगढ़ी सब्द म असुद्धि अउ निराकरन
5. छत्तीसगढ़ी म विराम–चिह्नों के असुद्धि

निर्धारित पुस्तक सूची :–

1. भोलानाथ तिवारी : वाक्य विज्ञान
2. कांति कुमार : छत्तीसगढ़ी व्याकरण बोली और कोश
3. हरिठाकुर एवं अन्य : छत्तीसगढ़ी भाषा, मुहावरे, लोकोक्तियाँ एवं लोक गीत
4. हीरालाल शुक्ल : शब्द–भूगोल
5. सूरज भान सिंह : हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण
6. कामताप्रसाद गुरू : हिंदी व्याकरण

चौदवाँ प्रस्न पत्र

छत्तीसगढ़ी अउ अनुवाद

1. अनुवाद के परिभासा, उद्देश्य एवं महत्व और प्रकार
2. अनुवाद के सीमा – सफल अनुवादक के गुन, अनुवाद के सिद्धान्त, अनुवाद की भासा
3. छत्तीसगढ़ी ले हिंदी अनुवाद (पद्यांश / गद्यांश, पाठ)
4. हिंदी ले छत्तीसगढ़ी अनुवाद (पद्यांश / गद्यांश, पाठ)
5. छत्तीसगढ़ी अनुवाद (स्वेच्छा से)– हलबी, भतरी, गोंडी, सरगुजिया, लरिया

निर्धारित पुस्तक सूची :–

1. सुरेश कुमार : अनुवाद : सिद्धान्त की रूपरेखा
2. भोलानाथ तिवारी : अनुवाद–विज्ञान
3. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं गोस्वामी : अनुवाद सिद्धान्त और समस्याएँ
4. कैलाशचंद्र भाटिया : अनुवाद कला सिद्धान्त और प्रयोग
5. भोलानाथ तिवारी एवं किरण बाला : भारतीय भाषाओं से अनुवाद की समस्याएँ

पंद्रवाँ प्रस्न–पत्र

छत्तीसगढ़ के तीज–तिहार अउ परंपरा

1. छत्तीसगढ़ के लोक–जीवन, धार्मिक अउ ओखर सामाजिक महत्व

2. छत्तीसगढ़ी लोकगीत – नारी गीत, पुरूस गीत, जातीय गीत, ऋतु गीत, बालक गीत

3. छत्तीसगढ़ी संस्कार–गीत अउ गहना

4. छत्तीसगढ़ के तीज–तिहार – अक्ती, हरेली, राखी, खमरछठ, पोला तीजा, नवरात्रि, दसहरा, देवारी, अउ होरी आदि।

5. छत्तीसगढ़ के लोक चित्रकला – चौक, सदनाही, आटे कन्हैया, हस्तालिका, गेबर चित्रकला, घर सिंगार, विवाह चित्र, अउ गोदना आदि।

निर्धारित पुस्तक सूची :–

1. मन्नू लाल यदु : छत्तीसगढ़ की लोकोक्तियों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन

2. हीरालाल शुक्ल : शब्द–भूगोल

7. कांति कुमार : छत्तीसगढ़ी; व्याकरण बोली और कोश

8. हरिठाकुर एवं अन्य : छत्तीसगढ़ी भाषा, मुहावरे, लोकोक्तियाँ एवं लोक–गीत

9. चितरंजन कर एवं अन्य : छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक–कोटियाँ

10. हीरालाल काव्योपाध्याय : ए ग्रामर आफ छत्तीसगढ़ी डायलेक्ट

सोलवाँ प्रस्न–पत्र

प्रायोगिक प्रसिक्षन अउ आंतरिक मूल्यांकन

1. जनजाति भासा अउ ओखर संस्कृति
2. छत्तीसगढ़ी सब्दावली के संकलन
3. कोनो पद्‌य के छत्तीसगढ़ी अनुवाद
4. कोनो गद्‌य के छत्तीसगढ़ी अनुवाद
5. छत्तीसगढ़ के लोक साहित्य अउ प्रचलित सब्द के संकलन

निर्धारित पुस्तक सूची :–

1. कांति कुमार : छत्तीसगढ़ी; व्याकरण बोली और कोश
2. हरिठाकुर एवं अन्य : छत्तीसगढ़ी भाषा, मुहावरे, लोकोक्तियाँ एवं लोक गीत
3. चितरंजन कर एवं अन्य : छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक–कोटियाँ
4. हीरालाल काव्योपाध्याय : ए ग्रामर आफ छत्तीसगढ़ी डायलेक्ट
5. गोलोक बिहारी धल : ध्वनि–विज्ञान
6. शंकर शेष : छत्तीसगढ़ी का भाषाशास्त्री अध्ययन
7. व्यास नारायण दुबे : छत्तीसगढ़ी जनभाषा

एम. ए. (छत्तीसगढ़ी)

Semester wise distribution of Courses and Credits

1. M. A. I Semester Chhattisgarhi

Course Code	Title of Paper	Marks		Credits
		External	Internal	
01.	छत्तीसगढ़ी के भौगोलिक अउ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	80	20	05
02.	छत्तीसगढ़ी के ध्वनि–संरचना	80	20	05
03.	छत्तीसगढ़ी के ब्याकरण	80	20	05
04.	छत्तीसगढ़ी साहित्य के इतिहास	80	20	05
05.	संगोष्ठी /आंतरिक मूल्यांकन			02
	Total			**22**

2. M. A. II Semester Chhattisgarhi

Course Code	Title of Paper	Marks		Credits
		External	Internal	
01.	छत्तीसगढ़ी के लोक–साहित्य अउ संस्कृति	80	20	05
02.	छत्तीसगढ़ी के सीमावर्ती भासा अउ बोली	80	20	05
03.	छत्तीसगढ़ी–काव्य	80	20	05
04.	कार्यालयीन छत्तीसगढ़ी	80	20	05
05.	संगोष्ठी/आंतरिक मूल्यांकन			02
	Total			**22**

3. M. A. III Semester Chhattisgarhi

Course Code	Title of Paper	Marks		Credits
		External	Internal	
01.	छत्तीसगढ़ी के सब्द–संरचना	80	20	05
02.	छत्तीसगढ़ी के भासा–भूगोल	80	20	05
03.	प्रायोजन मूलक छत्तीसगढ़ी	80	20	05
04.	राजभासा छत्तीसगढ़ी	80	20	05
05.	संगोष्ठी/आंतरिक मूल्यांकन			02
	Total			**22**

4. M. A. IV Semester Chhattisgarhi

Course Code	Title of Paper	Marks		Credits
		External	Internal	
01.	छत्तीसगढ़ी के वाक्य–संरचना	80	20	05
02.	छत्तीसगढ़ी अउ अनुवाद	80	20	05
03.	छत्तीसगढ़ी के तीज तिहार अउ परंपरा	80	20	05
04.	प्रायोगिक प्रसिक्षन अउ आंतरिक–मूल्यांकन	80	20	05
05.	संगोष्ठी/आंतरिक मूल्यांकन			02
	Total			**22**

1. एम. ए. छत्तीसगढ़ी पाठ्यक्रम म कुल 16 प्रश्न पत्र हावय। हरेक सेमेस्टर म चार प्रस्न पत्र रखे हे हावय।
2. हरेक सेमेस्टर म 22 कैडिट अनिवार्य रूप ले रखे गे हावय।
3. हरेक प्रस्न पत्र म 80 अंक रखे गे हावय।
4. हरेक प्रस्न पत्र म 20 अंक के आंतरिक मूल्यांकन या संगोष्ठी पाठ्यक्रम म सामिल करे गे हावय।